



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-Section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 364]
No. 364]

नई दिल्ली, मंगलवार, दिसम्बर 19, 1978/अग्रहायण 28, 1900
NEW DELHI, TUESDAY, DECEMBER 19, 1978/AGRAHAYANA 28, 1900

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate
compilation.

वित्त मंत्रालय
(आर्थिक कार्य विभाग)

आदेश

नई दिल्ली, 19 दिसम्बर, 1978

सा०का०नि० 584(अ) केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि निगम और इसके पालिसीधारियों के हित में, नियम के किसी वर्ग के कर्मचारियों को लागू सेवा के निबन्धनों और शर्तों के पुनरीक्षण की आवश्यकता है :

अतः अब, जीवन बीमा निगम अधिनियम, 1956 (1956 का 31) की धारा 11 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए और जीवन बीमा निगम विकास अधिकारी (पारिश्रमिक और सेवा के अन्य निबन्धनों तथा शर्तों का परिवर्तन) आदेश, 1976 को अधिक्रान्त करते हुए केन्द्रीय सरकार निम्नलिखित आदेश करती है, अर्थात् :—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ : (1) इस आदेश का नाम जीवन बीमा निगम विकास अधिकारी (पारिश्रमिक और सेवा के अन्य निबन्धनों और शर्तों का परिवर्तन) आदेश, 1978 है।

(2) यह भारत के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होगा।

2. लागू होना : इसमें अन्तर्विष्ट उपबन्ध निगम के उस वर्ग के कर्मचारियों को लागू होंगे जो, कर्मचारीवृन्द विनियमों के अधीन “अन्तर्गत कर्मचारी” के रूप में ज्ञात हैं और उक्त विनियमों के अधीन विकास अधिकारी के रूप में पद धारण करते हैं।

3. परिभाषाएं : इस आदेश में,—

(क) “अधिनियम” से जीवन बीमा निगम अधिनियम, 1956 (1956 का 31) अभिप्रेत है :

(ख) “निगम” से अधिनियम के अधीन स्थापित भारतीय जीवन बीमा निगम अभिप्रेत है ;

(ग) “कर्मचारीवृन्द विनियम” से समय-समय पर यथासंशोधित भारतीय जीवन बीमा निगम कर्मचारीवृन्द विनियम, 1960 अभिप्रेत है :

4. सेवा के निबन्धनों और शर्तों का पुनरीक्षण : (1) इस आदेश के प्रवृत्त होने की तारीख से, किसी कर्मचारी को, जिसे यह आदेश लागू होता है, सेवा के निबन्धनों और शर्तों के अंतर्गत वे उपबन्ध भी हैं, जो इससे संलग्न उपबन्ध में विनिर्दिष्ट हैं।

(2) निगम उक्त उपबन्ध में विनिर्दिष्ट उपबन्धों के लागू होने का विनियमन कर्मचारीवृन्द विनियमों में यथोचित उपबन्ध कर के इस

प्रकार करेगा, कि कर्मचारियों के जिस वर्ग को यह आदेश लागू होता है, उसकी सेवा के निबन्धन और शर्तें उन अन्य व्यक्तियों के समान हों जाएं जो इस आदेश की तारीख को विकास अधिकारी के रूप में पद धारण किए हुए हैं।

[फा०सं० 65(22) बीमा III/13/78]

एस० रामानाथन, एवर सचिव

उपाबन्ध

1. निर्बन्धन : इस उपाबन्ध में, जब तक कि विषय या संदर्भ में अन्यथा अपेक्षित न हो,—

(क) "वार्षिक पारिश्रमिक" से अभिप्रेत है : आधारी वेतन, विशेष वेतन, व्यक्तिगत वेतन संहर्गाई भत्तों, तथा अन्य सभी भत्तों और लाभ-निर्पेक्ष भागीदारी या अनुग्रह बोनस जो मूल्य निर्धारण वर्ष में विकास अधिकारी को देय या मिला है और इसके अन्तर्गत ऐसा व्यय भी है जो उस वर्ष के दौरान यात्रा, आवासीय, टेलीफोन, बीमा प्रीमियम तथा मोटर वाहन के सम्बन्ध में उसे निगम, द्वारा देय है या जिसकी बाबत निगम ने उसकी प्रतिपूर्ति की है जो निगम ने उपगत किया है, किन्तु इसके अन्तर्गत उसे संबत प्रोत्साहन बोनस और अतिरिक्त परिवहन भत्ता नहीं है,

(ख) विकास अधिकारियों के सम्बन्ध में "मूल्य निर्धारण तारीख" से अभिप्रेत है—

(क) 1 अप्रैल, 1979 से अपनी सेवा काल के प्रथम वर्ष में—

(i) 1 अप्रैल, 1979, यदि वह कर्मचारीवृन्द विनियमों के विनियम 66(2) के अधीन पिछली वार्षिक वृद्धि प्राप्त करने के बाद 31 मार्च, 1979 को बारह मास की सेवा पूरी करता है, या

(ii) अन्यथा, उस मास का प्रथम दिन, जो उस मास के बाव आता है, जिसमें वह बारह मास की सेवा पूरी करता है, और

(ख) अपने सेवाकाल के प्रत्येक पश्चात्तवर्ती वर्ष में, पिछली मूल्य निर्धारण तारीख से बाहर मास का सेवाकाल पूरा होने के बाव ठीक अगले मास का प्रथम दिन।

टिप्पण—जब तक अन्यथा विनिर्दिष्ट नहीं है, विकास अधिकारियों के सम्बन्ध में प्रथम मूल्य निर्धारण तारीख से वह मूल्य निर्धारण तारीख अभिप्रेत है जो ऊपर (क) के अनुसार अभिनिश्चित की गई है। द्वितीय और पश्चात्तवर्ती मूल्य निर्धारण तारीखें तबनुसार अभिनिश्चित की जाएंगी।

(ग) "मूल्य निर्धारण वर्ष" से अभिप्रेत है, दो लगातार मूल्य निर्धारण तारीखों के बीच की अवधि तथा प्रथम मूल्य निर्धारण तारीख से पहले पढ़ने वाली 12 मास की अवधि भी मूल्य निर्धारण वर्ष होगी ;

(घ) "वर्गीकरण प्रतिशत" से अभिप्रेत है वह अनुपात जो वर्गीकरण वर्ष में संबत पारिश्रमिक का उस वर्ष के आदेय प्रीमियम से है और प्रतिशत में अभिव्यक्त किया गया है,

टिप्पण—वर्गीकरण वर्ष में संबत पारिश्रमिक से अभिप्रेत है, उस वर्ष के लिए उपखंड (क) में यथापरिभाषित वार्षिक पारिश्रमिक। उस उपखंड में मूल्य निर्धारण वर्ष के प्रति निर्देश को, वर्गीकरण वर्ष के प्रति निर्देश समझा जाएगा।

(ङ) विकास अधिकारियों के सम्बन्ध में "वर्गीकरण वर्ष" से अभिप्रेत है इस उपाबन्ध के अधीन प्रथम मूल्य निर्धारण तारीख निकालने के लिए गणना की गई तुरन्त पहले पढ़ने वाली बारह मास की अवधि ;

(च) "सक्षम प्राधिकारी" से ऐसा प्राधिकारी अभिप्रेत है, जो कर्म-चारिवृन्द विनियमों में इस उपाबन्ध में दिए गए सब या उनमें से किसी भी प्रयोजन को पूरा करने के लिए विनिर्दिष्ट किया जाए ;

(छ) "विकास अधिकारी" से ऐसा कोई कर्मचारी अभिप्रेत है जिससे जीवन बीमा निगम विकास अधिकारी (पारिश्रमिक और सेवा के अन्य निबन्धनों तथा शर्तों का परिवर्तन) आदेश, 1978 लागू होता है ;

(ज) "आदेय प्रीमियम" से अभिप्रेत है, विकास अधिकारी संगठन के अधिकारियों द्वारा प्राप्त व्यवसाय के सम्बन्ध में निगम द्वारा प्राप्त प्रथम वर्ष के प्रीमियम का वह अनुपात जो समय-समय पर निगम द्वारा विनिर्दिष्ट किया जाए और भुगतान मूल्य निर्धारण वर्ष में समायोजित किया जाए ;

(झ) नीचे दी गई तालिका के स्तम्भ (1) में विनिर्दिष्ट व्यापार क्षेत्र में कार्यरत विकास अधिकारी के सम्बन्ध में मूल्य निर्धारण वर्ष के बारे में "व्यय सीमा" से अभिप्रेत है, उस तालिका के स्तम्भ (2) की तत्स्थानी प्रविष्टि में यथा विनिर्दिष्ट उस वर्ष के आदेय प्रीमियम का प्रतिशत :

तालिका	
यदि विकास अधिकारी व्यापार क्षेत्र में कार्यरत है	आदेय प्रीमियम का प्रतिशत
(1)	(2)
क	22 प्रतिशत
ख	23 प्रतिशत
ग	24 प्रतिशत
घ	25 प्रतिशत

टिप्पण : (1) किसी भी मूल्य निर्धारण वर्ष के लिए किसी विकास अधिकारी की व्यय-सीमा उस वर्ष के आदेय प्रीमियम के प्रतिशत के रूप में अभिव्यक्त की जाती है। यदि किसी विकास अधिकारी का उस वर्ष का वार्षिक पारिश्रमिक व्यय-सीमा से अधिक है तो यह कहा जाता है कि उसने व्यय-सीमा पार कर दी है ; ऐसे आधिक्य या उस अनुपात को, जो उसके वार्षिक पारिश्रमिक का उस वर्ष के आदेय प्रीमियम से है ; ऐसे आदेय प्रीमियम के प्रतिशत के रूप में अभिव्यक्त किया जा सकता है।

(2) उक्त तालिका में विनिर्दिष्ट प्रतिशत, प्रथम और द्वितीय मूल्य निर्धारण तारीखों के पूर्ववर्ती मूल्य निर्धारण वर्षों के लिए उपयुक्त संक्रयकालीन रियायत, यदि कोई है, देकर बढ़ा दिया जाएगा और इन मूल्य निर्धारण वर्षों के लिए व्यय-सीमा तबनुसार अभिनिश्चित की जाएगी।

(आ) "समग्र वार्षिक वेतन" से अभिप्रेत है, मासिक आधारी वेतन, विशेष वेतन, व्यक्तिगत वेतन संहर्गाई भत्ता और अन्य सभी भत्तों का पूर्ण योग जो किसी विकास अधिकारी की किसी भी अनुवर्ती वर्ष के लिए तब अनुमान किए जा सकते हैं, जब वह नियुक्ति की शर्तों को पूरा करता है और इसके अन्तर्गत उस वर्ष का लाभ-निर्पेक्ष भागीदारी या अनुग्रह बोनस तथा उस वर्ष के लिए यात्रा, आवासीय टेलीफोन और बीमा प्रीमियम तथा मोटर वाहनों पर कर के लिए होने वाला अनुमानित खर्च, जो स्वीकार किया जाए भी है किन्तु इसके अन्तर्गत उसे मिलने वाला प्रोत्साहन बोनस या अतिरिक्त परिवहन भत्ता नहीं है ;

(ट) विकास अधिकारी के संबंध में "व्यापार क्षेत्र" से अभिप्रेत है, वह क्षेत्र जिसमें वह विकास अधिकारी के रूप में काम करने के लिए तैनात है और ऐसा विकास अधिकारी व्यापार क्षेत्र में कार्यरत तब कहा जाता है जब वह—

(क) किसी नगर, शहरी सीमा या कस्बे में काम कर रहा है, जिसकी अभिनिश्चित जनसंख्या 10 लाख से अधिक है,

(ख) किसी नगर, शहरी सीमा या कस्बे में काम कर रहा है, जिसकी अभिनिश्चित जनसंख्या 4 लाख या उससे अधिक, किन्तु 10 लाख से अधिक नहीं है,

(ग) किसी नगर, शहरी सीमा या कस्बे में काम कर रहा है, (जो ग्रामीण क्षेत्र नहीं है) जिसकी अभिनिश्चित जनसंख्या 4 लाख से कम है, और

(घ) किसी ग्रामीण क्षेत्र में काम कर रहा है।

स्पष्टीकरण—(1) इस उपखंड के प्रयोजन के लिए 'अभिनिश्चित जनसंख्या' से भारत सरकार की सबसे अंतिम जनगणना रिपोर्ट के आधार पर अभिनिश्चित की गई जनसंख्या अभिप्रेत है।

(2) विकास अधिकारी तब 'ग्रामीण क्षेत्र' में कार्यरत कहा जाता है जब उसका मुख्यालय किसी ऐसे स्थान पर है, जिसकी अभिनिश्चित जनसंख्या 30,000 या उससे कम और उसके व्यापार क्षेत्र की अभिनिश्चित जनसंख्या 60,000 से अधिक नहीं है।

(3) "पूर्वगामी वर्ष" या "सुसंगत मूल्य निर्धारण वर्ष" से, सुसंगत मूल्य निर्धारण तारीख से ठीक पूर्ववर्ती मूल्य निर्धारण वर्ष अभिप्रेत है;

(4) "सुसंगत मूल्य निर्धारण तारीख" से वह मूल्य निर्धारण तारीख अभिप्रेत है, जब उस तारीख से ठीक पूर्ववर्ती मूल्य निर्धारण वर्ष के लिए किसी विकास अधिकारी के कार्य पारस का, इस उपाबन्ध के अनुसार किसी भी प्रयोजन के लिए, मूल्यांकन किया जाता है;

(5) "सेवा" से वह भवधि अभिप्रेत है जो विकास अधिकारी के रूप में कर्तव्य पूरा करते हुए तथा कर्मचारीवृन्द विनियमों के विनियम 69(4) के अधीन अमा की गई प्रसाधारण छुट्टियों सहित, अन्य छुट्टियों पर बिताई गई है,

(6) 'अनुवर्ती वर्ष' से सुसंगत मूल्य निर्धारण तारीख से आरम्भ होने वाली 12 मास की अवधि अभिप्रेत है;

(7) "संकमण कालीन रियायत" से वह रियायत अभिप्रेत है जो किसी ऐसे विकास अधिकारी को लागू होती है, जिसका वर्गीकरण प्रतिशत उसके व्यय सीमा प्रतिशत से अधिक है। ऐसी रियायत निम्नलिखित रूप में संगणित की जाएगी, भवति—

(i) प्रथम मूल्य निर्धारण तारीख से पूर्वगामी मूल्य निर्धारण वर्ष में, 35 प्रतिशत और व्यय सीमा प्रतिशत के बीच का अन्तर या व्यय सीमा प्रतिशत और वर्गीकरण प्रतिशत के बीच के अन्तर का दो-तिहाई, इनमें से जो भी कम है;

(ii) द्वितीय मूल्य निर्धारण तारीख के पूर्वगामी मूल्य निर्धारण वर्ष में: (क) यदि विकास अधिकारी क या ख व्यापार क्षेत्र में काम कर रहा है तो, 29 प्रतिशत और व्यय-सीमा प्रतिशत के बीच का अन्तर या व्यय-सीमा प्रतिशत और वर्गीकरण प्रतिशत के बीच के अन्तर का एक तिहाई, इनमें से जो भी कम है,

(ख) यदि विकास अधिकारी ग या घ व्यापार क्षेत्र में कार्य कर रहा है तो, 30 प्रतिशत और व्यय-सीमा प्रतिशत के बीच का अन्तर या व्यय सीमा प्रतिशत और वर्गीकरण प्रतिशत का एक तिहाई, इनमें से जो भी कम है।

टिप्पण (1) व्यय सीमा प्रतिशत और वर्गीकरण प्रतिशत के बीच अन्तर का दो-तिहाई या एक-तिहाई अभिनिश्चित करने लिए प्राप्त रकम को निकटतम रूप में पूर्णांकित किया जाएगा।

(2) इस उपखंड के प्रयोजन के लिए, व्यय सीमा प्रतिशत के अंतर्गत वह वृद्धि नहीं है, जो उपखंड (3) के टिप्पण (2) में विनिर्दिष्ट है और व्यय सीमा प्रतिशत से अभिप्रेत है उक्त उपखंड (3) के नीचे तालिका के स्तम्भ (2) में विनिर्दिष्ट आक्षेप प्रीमियम का प्रतिशत।

2. वेतन वृद्धि: (1) इस उपाबन्ध के अधीन प्रथम मूल्य निर्धारण तारीख से, विकास अधिकारी की वेतन-वृद्धि साधारणतया कर्मचारीवृन्द विनियम 56 के अनुसार सामान्य क्रम में होगी:

परन्तु यह तब जब उसका वार्षिक पारिश्रमिक पूर्वगामी वर्ष में व्यय-सीमा से अधिक नहीं है:

परन्तु यह और कि यदि उसका वार्षिक पारिश्रमिक पूर्वगामी वर्ष में व्यय-सीमा से अधिक है किन्तु उस वर्ष के आक्षेप प्रीमियम के 2 प्रतिशत से अनुधिक है तो उसे सुसंगत मूल्य निर्धारण तारीख से वेतन वृद्धि अनुज्ञात की जा सकती है, किन्तु यह तब जब पूर्वगामी वर्ष के पूर्ववर्ती मूल्य निर्धारण वर्ष में व्यय सीमा उसके वार्षिक पारिश्रमिक से अधिक नहीं है:

टिप्पण: यह परन्तु किसी विकास अधिकारी को प्रथम मूल्य निर्धारण तारीख की वेतन वृद्धि अनुज्ञात करने के लिए लागू नहीं होगा:

परन्तु यह और भी कि जहां किसी विकास अधिकारी का वार्षिक पारिश्रमिक प्रथम मूल्य निर्धारण तारीख के पूर्वगामी मूल्य निर्धारण वर्ष में व्यय-सीमा से अधिक है, तो उसे प्रथम मूल्य निर्धारण तारीख से तभी वेतन वृद्धि अनुज्ञात की जाएगी जब ऐसी वृद्धि उस वर्ष के आक्षेप प्रीमियम के 2 प्रतिशत से अधिक नहीं है और ऐसी वेतन वृद्धि अनुज्ञात करने के बाद अनुवर्ती वर्ष के लिए उसका समग्र वार्षिक वेतन, प्रथम मूल्य निर्धारण तारीख के पूर्वगामी मूल्य निर्धारण वर्ष के आक्षेप प्रीमियम के 35 प्रतिशत से अधिक नहीं होगा।

टिप्पण: शंका समाधान के लिए यह स्पष्ट किया जाता है कि इस खंड की कोई भी बात किसी ऐसे विकास अधिकारी के मामले की लागू नहीं होगी जो अपने ग्रेड के अधिकतम तक पहुंच गया है या जिसके मामले में कर्मचारीवृन्द विनियमों के उपबन्धों के अनुसार बखतारोह लागू है।

(2) उपखंड (1) में किसी बात के रहते हुए भी यदि सक्षम प्राधिकारी का, किसी विकास अधिकारी से कोई अभ्यावेदन प्राप्त होने पर, यह समाधान हो जाना है कि विकास अधिकारी ने अपने नियंत्रण से परे कारणों, से व्यय सीमा पार की है तो वह निदेश दे सकता है कि उसकी वेतन-वृद्धि सुसंगत मूल्य निर्धारण तारीख से अनुज्ञात कर दी जाए।

(3) यदि किसी विकास अधिकारी को किसी मूल्य निर्धारण तारीख की कोई भी वेतन-वृद्धि अनुज्ञात नहीं की जाती है तो ऐसी वेतनवृद्धि उसे किसी भी अनुवर्ती वर्ष में अनुज्ञात नहीं की जाएगी।

3. सवारी भत्ता:—(1) प्रत्येक विकास अधिकारी ऐसे सवारी भत्ते का हक्कार होगा जो निगम द्वारा समय-समय पर अनुज्ञात किया जाए और उसका विनियमन, भुगतान पात्रता की शर्तों व अन्य विषयों सहित, निगम के अध्यक्ष द्वारा इस आशय के लिए कर्मचारीवृन्द विनियमों के अधीन जारी किए उपयुक्त अनुबंधों से किया जाएगा:

परन्तु यदि किसी विकास अधिकारी का वार्षिक पारिश्रमिक किसी भी पूर्वगामी वर्ष में व्यय-सीमा से अधिक है तो, उसे अनुवर्ती वर्ष में अनुज्ञेय सवारी भत्ता उस रकम के आधे तक सीमित रहेगा, जिसके लिए वह अनुवर्ती के अधीन अन्यथा हकदार है।

(2) उपखंड (1) में किसी बात के होते हुए भी, यदि सशम प्राधिकारी का, किसी विकास अधिकारी से कोई अभ्यावेदन प्राप्त होने पर, वह समाधान हो जाता है कि किसी पूर्ववर्ती वर्ष में उसका वार्षिक पारिश्रमिक उसके नियंत्रण से परे कारणों से व्यय सीमा से अधिक हो गया है तो, वह अनुवर्ती वर्ष के लिए सवारी भत्ता ऐसे आधे तक सीमित करने की बजाए, उस सीमा तक अनुज्ञात कर सकता है जिस तक वह उचित समझे।

(3) यदि किसी विकास अधिकारी को अनुज्ञेय सवारी भत्ता किसी भी मूल्य निर्धारण वर्ष के लिए कम कर दिया गया है, तो उस वर्ष की ऐसी कमी अनुवर्ती वर्षों में पूरी नहीं की जाएगी किन्तु, वह किसी भी अनुवर्ती वर्ष के लिए केवल इत नियम के अधीन अनुज्ञेय पूरे सवारी भत्ते का हकदार होगा, किन्तु यह तब जब उसका वार्षिक पारिश्रमिक पूर्ववर्ती वर्ष की व्यय सीमा से अधिक नहीं है।

4. पदवाचि: इस उपबन्ध के उपबन्धों के अधीन रहते हुए प्रत्येक विकास अधिकारी, उसी अवधि तक और उसी रीति में पद धारण करेगा जिसमें कि निगम के अन्य कर्मचारी धारण करते हैं।

परन्तु यह तब जब उसका वार्षिक पारिश्रमिक उसे लागू व्यय सीमा से अधिक न हो।

परन्तु यह और कि किसी पुष्ट विकास अधिकारी की सेवाएं केवल कम कारबार लाने के आधार पर समाप्त नहीं की जाएंगी जब तक कि या तो किसी मूल्य निर्धारण वर्ष में उसका वार्षिक पारिश्रमिक उस वर्ष के आदेय प्रीमियम के 35 प्रतिशत से अधिक न हो या उसका प्राधारी वेतन, इसमें आगे उल्लिखित उपबन्धों के अनुसार उसे लागू ग्रेड के कम से कम न्यूनतम पर, नियत न किया जा सकता हो।

5. व्यय-सीमा के अनुपालन का अवसर:—(1) यदि किसी विकास अधिकारी का वार्षिक पारिश्रमिक पूर्वगामी वर्ष या वर्षों में व्ययसीमा से, नीचे की तालिका में उल्लिखित से अधिक है तो उसकी सेवाएं मात्र उस आधार पर समाप्त करने की बजाए अनुवर्ती वर्ष के लिए उसका प्राधारी वेतन उक्त तालिका में दिए गए अनुसार सुसंगत मूल्य निर्धारण-तारीख से कम कर दिया जाएगा जिससे कि उसे व्यय सीमा के अनुपालन का अवसर मिल जाए:

तालिका

क्र० सं० व्यय सीमा के आधिक्य में वार्षिक पारिश्रमिक प्राधारी वेतन में कमी, जब सुसंगत मूल्य निर्धारण तारीख के पूर्वगामी मूल्य निर्धारण वर्ष में व्यय सीमा से वार्षिक पारिश्रमिक अधिक है।

	प्रथम अवसर पर	द्वितीय क्रमिक अवसर पर	तृतीय क्रमिक अवसर पर	चतुर्थ क्रमिक अवसर पर	पंचम क्रमिक अवसर पर	
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)
1. आदेय प्रीमियम के 2 प्र० श० से अधिक नहीं	—	—	ग्रेड में एक प्रक्रम	ग्रेड में दो प्रक्रम	ग्रेड में तीन प्रक्रम	
2. आदेय प्रीमियम के 2 प्रतिशत से अधिक किन्तु 4 प्र० श० से अधिक नहीं	—	ग्रेड में एक प्रक्रम	ग्रेड में दो प्रक्रम	ग्रेड में तीन प्रक्रम	..	
3. आदेय प्रीमियम के 4 प्र० श० से अधिक किन्तु 6 प्र० श० से अधिक नहीं, परन्तु यह तब जब कि वार्षिक पारिश्रमिक उस वर्ष के आदेय प्रीमियम के 35 प्र० श० से अधिक न हो	ग्रेड में एक प्रक्रम	ग्रेड में दो प्रक्रम	ग्रेड में तीन प्रक्रम	
4. आदेय प्रीमियम के 6 प्र० श० से अधिक परन्तु यह तब जब वार्षिक पारिश्रमिक उस वर्ष के आदेय प्रीमियम के 35 प्र० श० से अधिक न हो	ग्रेड में दो प्रक्रम	ग्रेड में तीन प्रक्रम	

उदाहरण—(i) इस तालिका के प्रयोजन के लिए, किसी विकास अधिकारी का वार्षिक पारिश्रमिक अनुवर्ती क्रमिक अवसर पर व्यय सीमा से अधिक हुआ तब माना जाएगा, जब ऐसा वार्षिक पारिश्रमिक दो लगा-तार मूल्य निर्धारण वर्षों में व्यय सीमा से अधिक रहता है भले ही व्यय सीमा से अधिक का प्रतिशत भिन्न हो; किसी मूल्य निर्धारण वर्ष को भी जिसमें विकास अधिकारी व्यय सीमा पार करता है, किन्तु प्राधारी वेतन में कमी नहीं की जाती है या जब प्राधारी वेतन में उपखंड (2) के अधीन कमी की जाती है, वह अभिविचलित करने के लिए हिसाब में लिया जाएगा कि क्या क्रमिक अवसरों पर व्यय-सीमा पार हुई है। क्रमिक अवसर पर प्राधारी वेतन में कमी सुसंगत मूल्य निर्धारण तारीख के पूर्वगामी मूल्य निर्धारण वर्ष में व्यय सीमा के आधिक्य के अनुरूप होगी।

उदाहरण—किसी विकास अधिकारी का वार्षिक पारिश्रमिक, प्रथम मूल्य निर्धारण तारीख के पूर्वगामी मूल्य निर्धारण वर्ष में व्यय सीमा के दो प्र० श० से अधिक नहीं था और इसके फलस्वरूप अनुवर्ती वर्ष के लिए उसके प्राधारी वेतन में कोई कमी नहीं की गई। ऐसे अनुवर्ती वर्ष में वार्षिक पारिश्रमिक व्यय-सीमा से 3 प्र० श० अधिक था। द्वितीय मूल्य निर्धारण तारीख को उसका अधिकारी वेतन ग्रेड में एक प्रक्रम कम कर दिया जाएगा।

(ii) इस उपखंड के उपबन्धों को उस वशा में बराबर लागू किया जाएगा, जब विकास अधिकारी व्यय सीमा का अनुपालन करने के पश्चात् किसी पश्चात्पूर्व तारीख को व्यय सीमा पार कर जाता है। ऐसे मामले में प्रथम अवसर और बाद के अवसरों का अभिविचलन नए सिरे से उस पश्चात्पूर्व तारीख से किया जाएगा।

(2) यदि किसी विकास अधिकारी का वार्षिक पारिश्रमिक पूर्वगामी वर्ष में (जिसे आगे इस उपखंड में सुसंगत वर्ष कहा गया है) उस वर्ष के आदेय प्रीमियम के 35 प्रतिशत से अधिक है तो उसकी सेवाएं समाप्त की जा सकेंगी:

परन्तु उसकी सेवाएं अनुकम्पा के आधार पर उसका प्राधारी वेतन, ग्रेड में तीन प्रक्रम कम करके, जारी रखी जा सकती हैं, यदि—

(क) सुसंगत वर्ष में वार्षिक पारिश्रमिक उस वर्ष के आदेय प्रीमियम के 50 प्र० श० से अधिक नहीं है, या—

(ख) सुसंगत वर्ष में वार्षिक पारिश्रमिक 50 प्रतिशत से अधिक है, किन्तु सुसंगत वर्ष और इसके ठीक पूर्वगामी दो मूल्य निर्धारण वर्षों में वार्षिक पारिश्रमिक का कुल योग उन तीन वर्षों के आदेय प्रीमियम के कुल योग के 50 प्रतिशत से अधिक नहीं है।

परन्तु यह भी कि किसी विकास अधिकारी के मामले में, यदि प्रथम मूल्य निर्धारण तारीख के पूर्वगामी मूल्य निर्धारण वर्ष में उसका वार्षिक पारिश्रमिक उस वर्ष में लागू व्यय-सीमा से अधिक है किन्तु आदेश प्रीमियम के 4 प्रतिशत से अधिक नहीं है, या द्वितीय मूल्य निर्धारण तारीख के पूर्वगामी मूल्य निर्धारण वर्ष में उसका वार्षिक पारिश्रमिक उस वर्ष में लागू व्यय-सीमा से अधिक है, किन्तु आदेश प्रीमियम के 2 प्रतिशत से अधिक नहीं है तो न तो उसकी सेवाएं समाप्त की जा सकेंगी और न इस आधार पर उसके आधार वेतन में कमी की जाएगी कि उसका वार्षिक पारिश्रमिक उन दो मूल्य निर्धारण वर्षों में से किसी भी वर्ष में आदेश प्रीमियम के 35 प्रतिशत से अधिक था।

टिप्पण :— (i) प्रथम परन्तु के अधीन राहत प्रदान करने के प्रयोजन के लिए, विकास अधिकारी, वर्गीकरण वर्ष और उससे ठीक पूर्ववर्ती वर्ष को, प्रथम मूल्य निर्धारण तारीख के संबंध में पूर्वगामी वर्ष के तुरन्त पूर्वगामी दो मूल्य निर्धारण वर्षों के रूप में मनवाने का हकदार होगा, और द्वितीय मूल्य निर्धारण तारीख के बारे में वह वर्गीकरण वर्ष को एक मूल्य निर्धारण वर्ष के रूप में जुड़वाने का हकदार होगा। उनके बाद, तीन मूल्य निर्धारण वर्ष सुसंगत मूल्य निर्धारण तारीख से तुरन्त पूर्वगामी तीन मूल्य निर्धारण वर्षों से मिलकर बनेंगे।

(ii) यह अभिविनिर्दिष्ट करने के प्रयोजन के लिए कि सुसंगत वर्ष और उनके तुरन्त पूर्वगामी दो मूल्य निर्धारण वर्षों में, वार्षिक पारिश्रमिक उन वर्षों के आदेश प्रीमियम के योग के 50 प्रतिशत से अधिक है या नहीं, उनमें से प्रत्येक वर्ष का वास्तविक आदेश प्रीमियम और वार्षिक पारिश्रमिक, इस बात के अन्वेषण के लिए कि उनमें से किसी भी वर्ष के बारे में इस उपाबंध के अनुसार उचित कार्रवाई की गई है या नहीं, या इस तथ्य के अन्वेषण के लिए लिया जाएगा कि संबंधित विकास अधिकारी ने व्यय-सीमा का उल्लंघन किया है, किन्तु उसे क्षमा कर दिया गया है या अन्यथा उसे ऐसे किसी भी वर्ष में इस उपाबंध के अधीन हिमाव में नहीं लिया गया है।

(3) यदि उप-खण्ड (1) और उपखण्ड (2) के उपबंधों को लागू करने के फलस्वरूप निकाला गया आधार वेतन, कि विकास अधिकारी के बारे में लागू ग्रेड के न्यूनतम से भी कम पड़ता है, तो उसका आधार वेतन ऐसे न्यूनतम पर ही नियत कर दिया जाएगा।

परन्तु इस उपखण्ड का लाभ विकास अधिकारी की सम्पूर्ण सेवा के दौरान एक बार से अधिक अनुज्ञात नहीं किया जाएगा।

(4) यदि किसी विकास अधिकारी का आधार वेतन पूर्वोक्त उपखण्डों के अधीन कम या नियत कर दिया जाता है, तो उसे वेतन ऐसे ही भले और अन्य लाभ अनुज्ञात होंगे जो उस आधार वेतन के लिए उपयुक्त हैं, और यदि उसका सवारी भत्ता खण्ड 3 के अनुसार प्राप्ति कर दिया जाता है तो वह पुनरीक्षित आधार वेतन के अनुरूप ही केवल प्राप्ति सवारी भत्ते का हकदार होगा, और कुल पारिश्रमिक का संरक्षण न तो वैयक्तिक वेतन अनुज्ञात करके और न किसी अन्य प्रकार से, दिया जाएगा।

(5) पूर्वगामी उपखंडों के उपबंधों को लागू करने वाला सक्षम प्राधिकारी, कर्मचारिण्य विनियमों के अधीन नियुक्ति प्राधिकारी से निम्न नहीं होगा और वह सुसंगत मूल्य निर्धारण वर्ष के बीच जाने पर यथा संभवशील, ऐसा करेगा :

परन्तु संबंधित विकास अधिकारी को अपने मामले में अभ्यावेदन करने का अवसर दिया जाएगा।

(6) यदि उपखण्ड (5) के अधीन प्राप्त अभ्यावेदन से, आदेश प्रीमियम या अन्य आंकड़ों की संगणना में किन्हीं वास्तविक अशुद्धियों का पता चलता है तो सक्षम प्राधिकारी पुनरीक्षित आंकड़ों के अनुसार आवश्यक सीमा तक अपने निर्णय को पुनरीक्षित करेगा और अभ्यावेदन को मिटाने के लिए उपयुक्त आदेश करेगा, और यदि व्यय-सीमा में कमी भी उचित ठहराने के लिए अभ्यावेदन से किसी ऐसे कारण का पता

चलता है, जो विकास अधिकारी के नियंत्रण से परे था, जैसे दुर्घटना या बीमारी, और यदि वह तर्क देता है कि उस आधार पर उसके आधार वेतन में कमी नहीं की जानी चाहिए, तो सक्षम प्राधिकारी उस अभ्यावेदन को विनिर्णय के लिए ऐसे अन्य प्राधिकारी के पास भेजेगा जो कर्मचारिण्य विनियमों द्वारा विनिर्दिष्ट किया जाए।

(7) यदि ऐसे अन्य प्राधिकारी का समाधान हो जाता है कि अभ्यावेदन उचित है, तो वह उस मामले की परिस्थितियों पर विचार करके ऐसे आदेश कर सकेगा जैसे वह उचित समझे।

(8) यदि किसी विकास अधिकारी का अभ्यावेदन ऐसे अन्य प्राधिकारी द्वारा अस्वीकार कर दिया जाता है तो वह उस मामले में अभ्यावेदन निगम के अध्यक्ष को भेज सकता है।

(9) इस खंड की कोई भी बात खण्ड 2 या 3 के प्रवर्तन को प्रभावित नहीं करेगी।

6. कुछ मामलों में सेवा की समाप्ति : (1) नक्षम प्राधिकारी, जो निगम के जोन प्रबंधक की पंक्ति के नीचे का नहीं होगा, किसी विकास अधिकारी को उस दशा में तीन मास की सूचना या उसके बदले में वेतन देकर उसकी सेवाएं समाप्त कर सकता है, जब किसी भी पूर्वगामी वर्ष में उसका वार्षिक पारिश्रमिक, व्यय-सीमा से अधिक है, और पूर्वापेक्षों के अनुसार व्यय-सीमा का अनुपालन करने के लिए उसे और कोई अवसर नहीं दिया जा सकता है :

परन्तु विकास अधिकारी को उसकी प्रस्तावित सेवा-समाप्ति के विरुद्ध कारण बताने का अवसर दिया जाएगा।

(2) उपखण्ड (1) के अधीन किए गए किसी आदेश के विरुद्ध अपील, निगम के प्रबंध निदेशक को की जा सकती है और ऐसी किसी भी अपील को यथासंभव विनियम 41, 42, 43, 44 और 45 के उपबन्ध लागू होंगे।

(3) उपखंड (2) के अधीन कोई अपील की जाने पर, निगम का प्रबंध निदेशक, मामले के अभिलेख पर विचार करके ऐसे आदेश कर सकेगा जैसे वह उचित समझे।

7. दक्षता-रोध : (1) जहां वेतन वृद्धि वाले वेतनमान में दक्षता-रोध है, वहां विकास अधिकारी 1 अप्रैल, 1979 को या उसके बाद तब तक रोध के आगे वेतन वृद्धि पाने के योग्य प्रमाणित नहीं किया जाएगा, जब तक पूर्वगामी वर्ष में उसका आदेश प्रीमियम उसके वार्षिक पारिश्रमिक के बराबर या उसके पांच गुने से अधिक नहीं है और सुसंगत मूल्य निर्धारण तारीख से ठीक पूर्वगामी तीन मूल्य निर्धारण वर्षों में आदेश प्रीमियम का कुल योग उन तीन वर्षों के लिए उसके वार्षिक पारिश्रमिक के कुल योग के बराबर या उसके पांच गुने से अधिक है।

(2) कर्मचारिण्य विनियमों के विनियमों 56 के उप-विनियम (3) के परन्तु में किसी बात के होते हुए भी, प्रत्येक अवसर पर, जब किसी कर्मचारी को ऐसा दक्षता-रोध पार करने की, जिसे पार करने से उसे पहले रोक दिया गया था, अनुज्ञा दी जाती है, रोध के हटा दिए जाने पर उसे एक ही वेतन वृद्धि की अनुज्ञा दी जाएगी और ऐसे हटाए जाने के बाद मिलने वाली वेतन वृद्धि भूतकाली नहीं होगी।

(3) यदि किसी भी कारणवश आधार वेतन में कमी के फलस्वरूप किसी विकास अधिकारी का आधार वेतन उस दक्षता-रोध के पूर्व किसी प्रक्रम पर नियत किया जाता है, जिसे पार करने की अनुज्ञा उसे पहले दी जा चुकी है, तो वह केवल उस रोध से ऊपर की वेतन वृद्धियां पाने के योग्य तभी प्रमाणित किया जाएगा, जब वह दूसरी बार भी उपखंड (1) में अनुज्ञात शर्तों को पूरा करता हो।

टिप्पण : इस खंड के प्रयोजन के लिए वर्गीकरण वर्ष और उससे ठीक पूर्ववर्ती वर्ष को, किसी विकास अधिकारी की प्रथम मूल्य निर्धारण तारीख

के संबंध में पूर्वगामी वर्ष के ठीक पूर्ववर्ती दो मुख्य निर्धारण वर्षों के रूप में माना जाएगा।

8. प्रोत्साहन: (1) किसी विकास अधिकारी को 1 जनवरी, 1978 को या उसके बाद पड़ने वाली मुख्य निर्धारण तारीखों के बारे में पूर्वगामी वर्ष के लिए निगम द्वारा अनुमोदित किसी भी स्कीम के अधीन प्रोत्साहन बोनस तब अनुज्ञप्त किया जा सकता है, जब सुसंगत मुख्य निर्धारण वर्ष में उसका वार्षिक पारिश्रमिक उस वर्ष के आदेय प्रीमियम के 20 प्रतिशत से अधिक नहीं है।

(2) किसी विकास अधिकारी को ऐसी किसी स्कीम के अनुसार जिसे निगम समय-समय पर अनुमोदित करे, अतिरिक्त सवारी भत्ता अनुज्ञात किया जा सकता है।

9. विकास अधिकारियों की प्रोन्नति: (1) योग्य सबसे जाने वाले किमी भी विकास अधिकारी की प्रोन्नति सहायक शाखा प्रबंधक या सहायक प्रशासनिक प्रबंधक के रूप में की जा सकती है।

(2) किसी विकास अधिकारी को, जिसकी सेवाएं इस उपाबंध के अधीन समाप्त की जा सकती हैं, उसकी सहमति से, ऐसी शर्तों पर जो निगम द्वारा विनिश्चित की जाएं, वर्ष 3 में प्रशासनिक कार्य करने के लिए, नियुक्त किया जा सकता है।

10. पूर्ववर्ती आदेश के उपबन्धों का लागू होना: (1) प्राधारी वेतन के पुनः नियतन या सेवा समाप्ति की कार्रवाई, यदि सम्बन्धित है, भारतीय जीवन बीमा निगम विकास अधिकारी (पारिश्रमिक और सेवा के अन्य निबन्धनों और शर्तों का परिवर्तन) आदेश, 1976, (जिसे आगे पूर्ववर्ती आदेश कहा गया है,) की शर्तों के अनुसार न तो जारी रखी जाएगी और न पूर्ववर्ती आदेश और इस आदेश के लागू होने की तारीख के बीच की अवधि में कार्य निष्पादन के आधार पर पूर्ववर्ती आदेश के अधीन पुनः नियतन या सेवा समाप्ति के लिए पुनः कार्यवाई हो की जाएगी।

(2) पूर्ववर्ती आदेश और इस आदेश को लागू होने की तारीख के बीच की अवधि के दौरान देय वेतनवृद्धियां या ऐसी अवधि के दौरान प्रभावी दक्षता-रोध ऐसे पूर्ववर्ती आदेश की तारीख से पहले प्रवृत्त उपबन्धों के अनुसार क्रमशः अनुज्ञात की जा सकती हैं या हटाई जा सकती हैं।

[फा० सं० 65 (22) श्रीमा III/13/78]

एम० रामानाथन, अवर सचिव

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Economic Affairs)

ORDER

New Delhi, the 19th December, 1978

G.S.R. 584(E).—Whereas the Central Government is satisfied that in the interests of the Corporation and its policyholders a revision of the terms and conditions of service applicable to certain class of employees of the Corporation, are called for :

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 11 of the Life Insurance Corporation Act, 1956 (31 of 1956) and in supersession of the Life Insurance Corporation Development Officers (Alteration of Remuneration and Other Terms and Conditions of Service) Order, 1976, the Central Government hereby makes the following Order, namely :—

1. Short title and commencement.—(1)—This Order may be called the Life Insurance Corporation Development Officers' (Alteration of Remuneration and Other Terms and Conditions of Service) Order, 1978.

(2) It shall come into force on the date of its publication in the Official Gazette.

2. Application.—The provisions herein contained shall apply to the class of employees of the Corporation known as

"Transferred employees" under the Staff Regulations, 1966, holding appointment as Development Officers under the Regulations.

3. Definitions.—In this Order—

(a) "Act" means the Life Insurance Corporation Act, 1956 (31 of 1956);

(b) "Corporation" means the Life Insurance Corporation of India established under the Act;

(c) "Staff Regulations" means the Life Insurance Corporation of India (Staff) Regulations, 1966, as amended from time to time.

4. Revision of terms and conditions of service.—(1) With effect from the date this Order comes into force, the terms and conditions of service of an employee to whom this Order applies shall include the provisions specified in the Annexure hereto annexed.

(2) The Corporation shall regulate the application of the provisions specified in the said Annexure by making appropriate provisions in the Staff Regulations; so, however, that the terms and conditions of service of the class of employees to whom this order applies shall be on par with the others holding appointment as Development Officers on the date of this Order.

[F. No. 65(22)/Ins. III/13/78]

S. RAMANATHAN Addl. Secy.

ANNEXURE

[Paragraph 4(1)]

1. Interpretation : In this Annexure, unless there is anything repugnant in the subject or context—

(a) "annual remuneration" means the basic pay, special pay, personal pay, dearness allowance, and all other allowances and non-profit sharing or ex-gratia bonus due or paid to Development Officer during the appraisal year and includes the expenses payable or reimbursed to him or incurred by the Corporation during that year in respect of travelling, residential telephone and insurance premium and taxes on motor vehicles, but does not include, incentive bonus and additional conveyance allowance paid to him;

(b) "appraisal date" in relation to a Development Officer means—

(A) in the first year of his service from 1st April, 1979—

(i) 1st April, 1979 if he completes twelve months of service as on 31st March, 1979 from the date on which his last annual increment accrued in accordance with Regulation 56(2) of the Staff Regulations; or

(ii) if otherwise, the first day of the month following that in which he so completes twelve months of service; and

(B) in every subsequent year of service, the first day of the month following that in which he completes twelve months of service from the last appraisal date;

Note : Unless otherwise specified, the first appraisal date in relation to a Development Officer shall mean the appraisal date ascertained in accordance with (A) above; the second and subsequent appraisal dates shall be construed accordingly.

(c) "appraisal year" means the period between two consecutive appraisal dates; and the period of twelve months of service preceding the first appraisal date shall also be an appraisal year;

(d) "classification percentage" means the ratio which the remuneration paid in the classification year bears to the eligible premium of that year, and expressed in percentage;

Note : Remuneration paid in the classification year means the annual remuneration in respect of that year as defined in sub-clause (a); reference in that sub-clause to the appraisal year shall be construed as reference to the classification year.

- (e) "classification year", in relation to a Development Officer, means the period of twelve months of service immediately preceding the twelve months of service reckoned for the purpose of arriving at the first appraisal date under this Annexure;
- (f) "competent authority" means such authority as may be specified in the Staff Regulations to carry out all or any of the purposes provided for in this Annexure;
- (g) "Development Officer" means an employee to whom the Life Insurance Corporation Development Officers' (Alteration of Remuneration and Other Terms and Conditions of Service) Order, 1978, applies;
- (h) "eligible premium" means such proportion as may be specified by the Corporation from time to time of the first year's premiums received by the Corporation in respect of business secured by the agents in the organisation of a Development Officer, which is adjusted in the relevant appraisal year;
- (i) "expense limit", in respect of an appraisal year in relation to a Development Officer working in an operational area specified in column (1) of the Table below, means the percentage of the eligible premium of that year as specified in the corresponding entry in column (2) thereof :—

TABLE

If the Development officer is working in operational area	Percentage of the eligible premium
(1)	(2)
A	22%
B	23%
C	24%
D	25%

Notes :

- (1) The expense limit of a Development Officer for any appraisal year is expressed as a percentage of the eligible premium of that year; a Development Officer is said to exceed the expense limit if his annual remuneration in that year is in excess of the expense limit; such excess or the ratio which such annual remuneration bears to the eligible premium of that year may also be expressed as percentage of the eligible premium.
- (2) The percentage specified in the above Table shall be increased by the appropriate transitional concession, if any, in respect of the appraisal years preceding the first and second appraisal dates and the expense limit shall be ascertained accordingly for these appraisal years.
- (j) "gross yearly salary" means the aggregate of the monthly basic pay, special pay, and all other allowances which may be allowed to a Development Officer for any succeeding year if the terms of his appointment are 'fulfilled' and shall include any non-profit sharing or ex-gratia bonus payable in that year and an estimate of the expenses that may be allowed during that year in respect of travelling, residential telephone and insurance premium and taxes on motor vehicles, but shall not include any incentive bonus or additional conveyance allowance that may accrue to him;
- (k) "operational area", with reference to a Development Officer, means the area in which he is posted to work as such Development Officer and a Development Officer is said to be working in operational area—
- 'A' if he is working in a City, Urban agglomeration or Town with an ascertained population of more than 10 lakhs;
- 'B' if he is working in a City, Urban agglomeration or Town with an ascertained population of 4 lakhs or above but not more than 10 lakhs;

- 'C' if he is working in a City, Urban agglomeration or Town (not being a 'rural area') with an ascertained population of less than 4 lakhs; and
- 'D' if he is working in a rural area.

Explanations: (1) For the purpose of this sub-clause "ascertained population" means the population as ascertained from the latest Census Report of the Government of India;

(2) A Development Officer is said to be working in a "rural area" if his headquarters is at a place with an ascertained population of 30,000 or less and his operational area has an ascertained population of not more than 60,000;

- (l) "preceding year" or "relevant appraisal year" means the appraisal year immediately preceding the relevant appraisal date;
- (m) "relevant appraisal date" means the appraisal date on which the performance of the Development Officer for the appraisal year immediately preceding that date is assessed for any purpose under this Annexure;
- (n) "service" means the period spent on duty as a Development Officer and leave, including extraordinary leave, which has been condoned under Regulation 69(4) of the Staff Regulations;
- (o) "succeeding year" means the period of twelve months commencing from the relevant appraisal date;
- (p) "transitional concession" means the concession applicable to a Development Officer whose classification percentage is higher than the expense limit percentage and such concession shall be computed as follows :

- (i) in the appraisal year preceding the first appraisal date :

The difference between 35 per cent and expense limit percentage or two-thirds of the difference between expense limit percentage and classification percentage, whichever is less;

- (ii) in the appraisal year preceding the second appraisal date :

(A) If the Development Officer is working in operational area A or B, the difference between 29 per cent and expense limit percentage or one-third of the difference between expense limit percentage and classification percentage, whichever is less; or

(B) If the Development Officer is working in operational area C or D, the difference between 30 per cent and expense limit percentage or one-third of the difference between expense limit percentage and classification percentage, whichever is less.

Notes :

- (1) For ascertaining the two-thirds, or one-third of the difference between the expense limit percentage and classification percentage, as the case may be, the result obtained shall be rounded off to the nearest integer.
- (2) For the purpose of this sub-clause, the expense limit percentage does not include the increase specified in the Note (2) to sub-clause (i) and the expense limit percentage means the percentage of the eligible premium specified in column (2) of the Table below the said sub-clause (i).

2. Increments.—(1) With effect from the first appraisal date under this Annexure, increments shall ordinarily be drawn by a Development Officer as a matter of course in accordance with Regulation 56 of the Staff Regulations :

Provided that his annual remuneration in the preceding year was not in excess of the expense limit :

Provided further, that if his annual remuneration in the preceding year was in excess of the expense limit by not more than 2 per cent of the eligible premium of that year, he may be allowed to draw the increment from the relevant appraisal date if his annual remuneration was not in excess of the expense limit in the appraisal year previous to the preceding year.

Note : This proviso shall not apply to a Development Officer for the grant of increment on the first appraisal date :

Provided also, that where the annual remuneration of a Development Officer is in excess of the expense limit in the appraisal year preceding the first appraisal date, he shall be allowed to draw the increment from the first appraisal date, if only such excess is not more than 2 per cent of the eligible premium of that year and his gross yearly salary for the succeeding year after grant of such increment shall not exceed 35 per cent of the eligible premium of the appraisal year preceding the first appraisal date.

Note : For the removal of doubt it is clarified that nothing contained in this clause shall apply in the case of a Development Officer who has reached the maximum of the grade or in whose case efficiency bar operates in accordance with the provisions contained in the Staff Regulations.

(2) Notwithstanding anything contained in sub-clause (1), if on a representation received from any Development Officer, the competent authority is satisfied that the Development Officer has exceeded the expense limit on account of reasons beyond his control, it may direct that the increment be granted from the relevant appraisal date.

(3) Where no increment is granted to a Development Officer on any appraisal date, such increment shall not be granted to him in any subsequent year.

3. Conveyance Allowance.—(1) Every Development Officer shall be entitled to such conveyance allowance as may be granted by the Corporation from time to time, and the payment thereof including conditions of eligibility and other matters, shall be regulated by appropriate instructions issued, by the Chairman of the Corporation, in that behalf under the Staff Regulations :

Provided that if the annual remuneration of any Development Officer in any preceding year is in excess of the expense limit, the conveyance allowance admissible to him for the

succeeding year shall be limited to one-half of the amount to which he may be otherwise entitled under the Staff Regulations.

(2) Notwithstanding anything contained in sub-clause (1), if on a representation received from a Development Officer, the competent authority is satisfied that his annual remuneration in any preceding year was in excess of the expense limit for reasons beyond his control, it may allow the conveyance allowance for the succeeding year to such extent as it may think fit instead of limiting it to one-half.

(3) Where the conveyance allowance admissible to a Development Officer is reduced in respect of any appraisal year, the reduction in that year shall not be made good in the succeeding years, but he would only be entitled to full conveyance allowance admissible to him under the rules for the succeeding year if his annual remuneration is not in excess of the expense limit in the preceding year.

4. Tenure : Subject to the provisions of this Annexure, Development Officer shall hold office by the same tenure in the same manner as any other class of employee in the Corporation :

Provided that his annual remuneration does not exceed the expense limit applicable to him :

Provided further, that the services of a confirmed Development Officer shall not be terminated merely on the ground of poor business production unless, either his annual remuneration in any appraisal year exceeds 35% of the eligible premium of that year, or his basic pay cannot be fixed, in accordance with the provisions hereinafter contained at least at the minimum of the grade applicable to him.

5. Opportunity to conform to the expense limit : (1) Where the annual remuneration of any Development Officer in the preceding year or years is in excess of the expense limit in the manner envisaged in the Table below, his services shall not be terminated merely on that ground but his basic pay for the succeeding year shall be reduced as provided in the said Table from the relevant appraisal date thereby affording him opportunity to conform to the expense limit.

TABLE

Sr. No.	Annual remuneration in excess of the expense limit	Reduction in basic pay where the annual remuneration is in excess of the expense limit in the appraisal year preceding the relevant appraisal date				
		On the first occasion	On the second successive occasion	Third successive occasion	Fourth successive occasion	Fifth and subsequent successive occasions
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)
1.	By not more than 2% of the eligible premium.	—	—	One stage in the grade	Two stages in the grade	Three stages in the grade
2.	By more than 2% but not more than 4% of the eligible premium.	—	One stage in the grade	Two stages in the grade	Three stages in the grade	-do-
3.	By more than 4% but not more than 6% of the eligible premium provided that the annual remuneration did not exceed 35% of the eligible premium of that year.	One stage in the grade	Two stages in the grade	Three stages in the grade	-do-	-do-
4.	By more than 6% of the eligible premium, provided that the annual remuneration did not exceed 35% of the eligible premium of that year.	Two stages in the grade	Three stages in the grade	-do-	-do-	-do-

Explanations :—(i) For the purpose of this Table, the annual remuneration of a Development Officer shall be deemed to be in excess of the expense limit on a successive occasion, if such remuneration exceeds the expense limit in the two consecutive appraisal years even though the excess percentage over the expense limit may vary; an appraisal year in which the Development Officer exceeds the expense limit but there is no reduction in basic pay or where there is reduction in basic pay under sub-clause (2) shall also be reckoned for ascertaining whether the expense limit is exceeded on successive occasions; the reduction in basic pay on the successive occasion shall correspond to the excess of the expense limit in the appraisal year preceding the relevant appraisal date.

Illustration : A Development Officer's annual remuneration in the appraisal year preceding the first appraisal date was in excess of the expense limit by not more than 2% and consequently there was no reduction in his basic pay for the succeeding year. In such succeeding year, the annual remuneration was 3% in excess of the expense limit.

On the second appraisal date, his basic pay shall be reduced by one stage in the grade.

(ii) The provisions of this sub-clause shall be repeatedly applied, if, after conforming to the expense limit, the Development Officer exceeds the expense limit at a later date. The first occasion and successive occasions shall be ascertained afresh in such a case as from such later date.

(2) Where the annual remuneration of a Development Officer in any preceding year (hereinafter also referred to as the relevant year in this sub-clause) exceeds 35 per cent of the eligible premium of that year, his services shall be liable to be terminated :

Provided that his services may be continued on compassionate grounds after reducing his basic pay by three stages in the grade—

- (a) if the annual remuneration in the relevant year does not exceed 50 per cent of the eligible premium of that year; or
- (b) if the annual remuneration in the relevant year exceeds 50 per cent but the aggregate of the annual remuneration in the relevant year and the two appraisal years immediately preceding the relevant year does not exceed 50 per cent of the aggregate of the eligible premium in those three years.

Provided further that, in the case of a Development Officer, if his annual remuneration in the appraisal year preceding the first appraisal date is in excess of the expense limit applicable to him in that year by not more than 4 per cent of the eligible premium, or if his annual remuneration in the appraisal year preceding the second appraisal date is in excess of the expense limit applicable to him in that year by not more than 2 per cent of the eligible premium, his services shall not be liable to be terminated nor shall his basic pay be reduced on the ground that his annual remuneration has exceeded 35 per cent of the eligible premium in either of those appraisal years.

Notes.—(i) For the purpose of affording relief under the first proviso, a Development Officer shall be entitled to have the classification year and the year immediately previous thereto treated as two appraisal years immediately preceding the preceding year in respect of the first appraisal date; and he shall be entitled to have the classification year included as an appraisal year in respect of second appraisal date. Thereafter the three appraisal years shall consist of the three appraisal years immediately preceding the relevant appraisal date.

(ii) For the purpose of ascertaining whether the aggregate of the annual remuneration in the relevant year and the two appraisal years immediately preceding the relevant year does or does not exceed 50 per cent of the aggregate of the eligible premium in those years, the actual eligible premium and the annual remuneration in each of those years shall be taken into account, irrespective of whether appropriate action has been taken in accordance with this Annexure in respect of any such year or the fact that the Development Officer has exceeded the expense limit has been condoned or otherwise not taken into account under this Annexure in any such year.

(3) If, as a consequence of the application of the provisions contained in sub-clause (1) or sub-clause (2), the basic pay arrived at falls below the minimum of the grade applicable to the Development Officer, his basic pay shall be fixed at such minimum :

Provided that the benefit of this sub-clause shall not be allowed more than once during the entire service of a Development Officer.

(4) Where the basic pay of a Development Officer is reduced or fixed under the foregoing sub-clauses, he shall be allowed only such allowances and other benefits as are appropriate to that basic pay; and where his conveyance allowance has been reduced to one-half in accordance with clause 3, he shall only be entitled to one-half of the con-

veyance allowance appropriate to the revised basic pay; and there shall be no protection of total remuneration either by granting a general allowance or otherwise.

(5) The competent authority to implement the provisions of the foregoing sub-clauses shall be not below the appointing authority under the Staff Regulations which shall do so, as soon as may be, after the expiry of the relevant appraisal year :

Provided that the Development Officer concerned shall be given an opportunity to make a representation in regard to his case.

(6) If the representation received under sub-clause (5) discloses any factual inaccuracies in the computation of eligible premium or other figures, the competent authority shall revise his decision to the extent it is warranted by the revised figures and pass appropriate orders disposing of the representation; and if the representation discloses any cause beyond the control of the Development Officer, such as accident or sickness to justify relaxation of the expense limit, and he pleads that the reduction in basic pay should not be effected on that ground, the competent authority shall forward the representation to such other authority as may be specified by the Staff Regulations for decision.

(7) If the such other authority is satisfied that there is any merit in the representation, it may consider the circumstances of the case and pass such order as it may think fit.

(8) A Development Officer whose representation has been rejected by such other authority may submit a memorial to the Chairman of the Corporation in respect of that matter.

(9) Nothing contained in this clause shall affect the operation of clause 2 or clause 3.

6. Termination of service in certain cases.—(1) The Competent authority, not below the rank of Zonal Manager of the Corporation, may terminate the services of a Development Officer on giving him three months' notice or salary in lieu thereof if his annual remuneration in any preceding year is in excess of the expense limit and if no further opportunity can be given to him to conform to the expense limit in accordance with the foregoing provisions :

Provided that the Development Officer concerned shall be given an opportunity to show cause against the proposed termination of his service.

(2) An appeal against an order passed under sub-clause (1) shall lie to the Managing Director of the Corporation and the provisions of Regulations 41, 42, 43, 44 and 45 of the Staff Regulations shall, so far as may be, apply to any such appeal.

(3) In the case of an appeal under sub-clause (2) the Managing Director of the Corporation shall consider the records of the case and pass such orders as he thinks fit.

7. Efficiency Bar.—(1) Where in an incremental scale there is an efficiency bar, a Development Officer shall not be certified fit to draw increments above that bar on or after 1st April, 1979 unless his eligible premium in the preceding year was equal to or more than five times his annual remuneration and the aggregate of the eligible premium in the three appraisal years immediately preceding the relevant appraisal date was equal to or more than five times the aggregate of his annual remuneration for those three years.

(2) Notwithstanding anything contained in the proviso to sub-regulation (3) of Regulation 56 of the Staff Regulations on each occasion on which an employee is allowed to cross an efficiency bar which has previously been enforced against him, he shall be allowed only one increment on removal of the bar and further the increment granted on such removal shall have no retrospective effect.

(3) Where, as a result of reduction in basic pay for any reason whatever, the basic pay of a Development Officer has been fixed at a stage below the efficiency bar which he has been allowed to cross earlier he shall be certified fit to draw increments above the bar only if he satisfies the conditions stipulated in sub-clause (1) on the second occasion also.

Note.—For the purpose of this clause, the classification year and the year immediately previous thereto shall be treated as two appraisal years immediately preceding the preceding year in respect of the first appraisal date of a Development Officer; and the classification year shall be treated as an appraisal year in respect of the second appraisal date.

8. Incentives.—(1) Incentive bonus under any scheme approved by the Corporation may be allowed to a Development Officer for a preceding year in respect of appraisal dates falling due on or after 1st January, 1978 if his annual remuneration in the relevant appraisal year does not exceed 20 per cent of the eligible premium of that year.

(2) A Development Officer may be allowed additional conveyance allowance in accordance with such scheme as the Corporation may approve from time to time.

9. Promotion of Development Officers.—(1) Any Development Officer considered suitable may be promoted as Assistant Branch Manager or Assistant Administrative Officer.

(2) Any Development Officer whose services are liable to be terminated under this Annexure, may, with his consent,

be appointed to do administrative work in Class III, on such terms as may be decided by the Corporation.

10. Application of the provisions of the previous order.—

(1) Action for refixation of basic pay or termination, if pending, shall not be continued in terms of the Life Insurance Corporation Development Officers' (Alteration of Remuneration and other Terms and Conditions of Service) Order, 1976, (hereinafter referred to as the previous Order) nor shall fresh action be taken under the previous Order for refixation or termination on the basis of the performance for the period between the date of the previous Order and the date on which this Order shall become applicable.

(2) Increments due during the period falling between the date of the previous Order and the date on which this Order shall become applicable may be granted or effected. An officer operating during the said period may be removed in accordance with the provisions obtaining prior to the date of the previous Order.

[F. No. 65(22)/Ins. III/IV/78]

S. RAMANATHAN, Addl. Secy.